**E-CONTENT**

 **MJMC,  SEM-II, PAPER : CC-7

Topic : PHOTOGRAPHY (MEANING, SCOPE AND IMPORTANCE)**

 **Date : 25-01-2020, TIME : 12.00 P.M.-1.00 P.M.**

**PREPARED BY : AMIT KUMAR**

**PHOTOGRAPHY (MEANING, SCOPE AND IMPORTANCE)**

दो ग्रीक शब्दों (photo+graph) से बना ‘फोटोग्राफी’ का अर्थ है ‘फोटो’ यानी प्रकाश (Light) की मदद से ‘ग्राफ’ यानी चित्र तैयार करना। बेसिकली, इसमें होता यह है कि वस्तु से टकराकर (reflect होकर) लौटने वाली किरणें लेंस के जरिए कैमरे के अंदर नेगेटिव-फिल्म या डिजिटल सेंसर तक पहुंचती है और वस्तु की तस्वीर बनती है। नेगेटिव फिल्म में तस्वीर केमिकल प्रॉसेस से (फिल्म पर लगे फोटो-सेंसिटिव केमिकल के कारण) बनती है। जबकि, डिजिटल कैमरे में यही काम इलेक्ट्रॉनिक विधि से इमेज सेंसर करता है।

फोटोग्राफी में आपको जो भी करना है प्रकाश यानी लाइट की मदद से करना है। चित्रकार अपनी चित्रकारी ‘**रोशनी में’**करता है, लेकिन फोटोग्राफर अपनी चित्रकारी ‘**रोशनी से**‘ करता है। फोटोग्राफी में रोशनी एक रॉ-मटीरियल (कच्चा माल) की तरह है जिसका इस्तेमाल कर फोटो बनाई जाती है। इस तरह फोटोग्राफी रोशनी के उपयोग की कला है। आप लाइट यूज करने का स्किल जितना विकसित करेंगे आपकी फोटोग्राफी उतनी विकसित होगी।

आम तौर पर एक नया फोटोग्राफर यही सोचता है कि बढ़िया फोटो वह है जो शार्प हो और जिसमें भरपूर डीटेल्स हों। लेकिन नहीं, सही मायने में एक बढ़िया फोटो वह होती है जो देखने वाले के ऊपर प्रभावी असर पैदा करती है। ‘फोटोग्राफी क्या है’ इस सवाल के जवाब में हमारा मानना है कि फोटोग्राफी केवल किसी वस्तु का हू-ब-हू चित्र खींच लेना नहीं है, बल्कि यह एक मीडियम (माध्यम) है जिसके जरिए अपनी बात कही जा सकती है, अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया जा सकता है; वस्तु, व्यक्ति या दृश्य के सौंदर्य को दर्ज किया जा सकता है और किसी परिस्थिति या घटना के सच को दुनिया के सामने लाया जा सकता है। इस तरह, फोटोग्राफी एक आर्ट-फॉर्म है, एक कला है, एक मीडियम।

‘फोटोग्राफी क्या है’ इसे समझने के लिए कुछ मौलिक बातों को समझना जरूरी है। किसी भी अन्य आर्ट-फॉर्म की तुलना में फोटोग्राफी में ‘देखने’ (**Observation**) का महत्व सबसे अधिक है। चीजें जैसी सामान्य तौर पर दिखती हैं हू-बू-हू उन्हें वैसा ही दिखाने में कुछ भी अनोखा नहीं है, क्योंकि वैसा तो हर कोई देख सकता है। असल महत्व है चीजों को उस नजरिए से देखना जिससे उनके अर्थ खुलते हों। अमेरिकी फोटोग्राफर बेरेनिस अबोट मानती थींं कि ‘फोटोग्राफी लोगों को देखने में मदद करती है’, यानी **देखना सिखाती है**। इस लिहाज से फोटोग्राफी ‘देखने की कला’ (Art of Seeing) है।

इसमें सफल फोटोग्राफर वही है जो चीजों को केवल प्रेक्षक (Observer) के नजरिए से नहीं बल्कि एक कलाकार के नजरिए से भी देखे। यही है फोटोग्राफी का सार-तत्व। इसलिए एक कलाकार बेहद साधारण कैमरे से भी बेहतरीन तस्वीर का निर्माण कर सकता है जबकि एक सामान्य फोटोग्राफर तस्वीर के शार्पनेस, चमक, लाइट और डीटेल्स में ही उलझा रह जाता है। इसलिए एक बढ़िया और सार्थक फोटोग्राफर बनने के लिए चित्रकला का अध्ययन करना चाहिए। उसके सिद्धांतों को समझना चाहिए और कलाकार वाली नजर पैदा करनी चाहिए।

### **3.फोटोग्राफी में सब्जेक्ट और स्टोरी-टेलिंग का महत्व**

आम तौर पर लोग यह समझते हैं कि बढ़िया महंगे कैमरा और लेंस से ली गई साफ-सुथरी चमचमाती हाई क्वालिटी फोटो बेहतरीन फोटोग्राफी का नमूना होती है। लेकिन बात दरअसल ऐसी नहीं है। टेक्निकली फोटो कितनी भी हाई क्वालिटी की हो लेकिन उसमें यदि व्यूअर के लिए कोई संदेश ही न हो तो सब बेकार है। फोटो में सब्जेक्ट का महत्व होता है। फोटो की सुंदरता, बढ़िया एक्सपोजर, लाइट, चमक और डीटेल्स ये सारी बातें बाद में आती हैं। अपनी तस्वीर के जरिए आप क्या दिखा रहे हैं यह महत्वपूर्ण होता है।

साधारण कैमरे, यहां तक कि साधारण स्मार्ट फोन से भी ली गई तस्वीर धूम मचा सकती है यदि उसका आधार कोई दमदार सार्थक सब्जेक्ट हो या जिसके पीछे कोई मजबूत कहानी हो, या कोई ऐसा भाव या कोई ऐसा सौंदर्य जो देखने वाले के मन को छू ले। तस्वीर ऐसी होनी चाहिए जिसमें कोई स्टोरी हो, या जिसे देखकर व्यूअर को भावनात्मक अनुभूति मिले, या कुछ ऐसा जो जीवन के किसी अनदेखे पक्ष को उजागर करता हो।

फोटोग्राफी को औजार बनाकर ऐसा बहुत कुछ किया जा सकता है जिससे दर्शक को जीवन और जगत से जुड़ने की प्रेरणा मिले। फोटोग्राफी के जरिए सामाज और पर्यावरण की समस्या की तरफ लोगों का ध्यान खींचा जा सकता है। फोटोग्राफी के जरिए व्यक्ति और समाज के जीवन में बदलाव लाया जा सकता है, सार्थक संदेश दिया जा सकता है, और यह फोटोग्राफी की सबसे बड़ी ताकत भी है।